प्राची पाण्डेय, आईए एवं एएस
आयुक्त
Prachi Pandey, IA&AS
Commissioner

तत् त्व पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110016
Kendriya Vidyalaya Sangathan
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016

अपील

आप सभी को 14 सितंबर हिंदी दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं ।

हमारे लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन में हिंदी का प्रयोग दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है और आधेकांश मदों पर राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं । किसी भी राष्ट्र की महानता, अस्मिता, गरिमा एवं आदर्शों की सही पहचान उस देश की भाषा विशेषकर राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग से होती है । कोई भी राष्ट्र अपनी भाषा में जीता है, संवाद करता है और प्रगति करता है, अथवा यदि संक्षेप में कहा जाए तो अभिव्यक्त होता है । इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया । राजभाषा हिंदी नि:संदेह अपने बल पर, अपने गुणों और अपनी उपयोगिता के आधार पर सब जगह व्याप्त है । इसकी अतुल भाषा-शक्ति की संपन्नता को सहज में स्वीकार किया जा सकता है । हिंदी आज ठोस और संतुलित कदमों से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रही है ।

नि:संदेह, हिंदी आज पूरे राष्ट्र में एक संपर्क भाषा के रूप में उभर रही है जिसने न केवल भारत की अन्य भाषाओं अपितु पूरे विश्व की अनेक भाषाओं के सैंकड़ों शब्दों को अपने शब्दकोश में समाहित किया हुआ है | आज के इंटरनेट युग में भी हिंदी की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता है और यही कारण है कि विश्व की अग्रणी आईटी कंपनियों द्वारा उनके सोफ्टवेयर्स में भी हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है और उन्हें अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी बनाया जा रहा है | हिंदी की इसी महत्ता के कारण वर्ष 2006 में प्रथम बार 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाना आरंभ किया गया और यह परंपरा आज तक कायम है जो न केवल समस्त भारतवासियों अपितु सभी हिंदी प्रेमियों के लिए एक गर्व का विषय है ।

आज हिंदी विश्व के 90 से भी अधिक देशों में पढ़ाई जा रही है जहां इसके विद्यार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है | हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है जिसमें शब्दों को कंठ, तालु और होठों आदि से उच्चारित किया जाता है और इसकी सबसे बड़ी सरलता "जैसी बोली जाए वैसी ही लिखी जाए" है ।

शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय संगठन एक अग्रणी संस्थान है जो वर्तमान में पूरे देश में अपने 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के द्वारा लगभग 1285 से भी अधिक केन्द्रीय विद्यालयों का संचालन कर रहा है, जहां शिक्षा के माध्यम से बच्चों में देशप्रेम और राष्ट्रीयता की भावना को जागृत कर देश की भावी पीढ़ी को तैयार करने का प्रयास किया जाता है | ऐसे में हम सभी का यह नैतिक दायित्व भी बनता है कि हम अपने दैनिक सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों में राजभाषा हिंदी के प्रति लगाव और राष्ट्र प्रेम को संचारित करें ।

मुझे यह कहते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन हिंदी के प्रयोग में भी उत्कृष्टता से कार्य कर रहा है, जिसके कारण राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय विद्यालय संगठन/क्षेत्रीय कार्यालयों/आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के साथ –साथ केन्द्रीय विद्यालयों को राजभाषा पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है तथा माननीय संसदीय समिति द्वारा भी राजभाषा निरीक्षणों के अवसर पर हमारे द्वारा किए जाने वाले हिंदी के कार्यों की सराहना की जाती है । इसी क्रम में केन्द्रीय विद्यालय संगठन को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा इस वर्ष भी **वर्ष 2024-25 के लिए " राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" द्वितीय स्थान के लिए चयनित किया गया है । इस उपलब्धि के लिए आप सभी बधाई के पात्र है ।**

मैं आज हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी से अपील करती हूँ कि हम सभी यह संकल्प लें कि आज से ही अपने कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे और हिंदी जिस सम्मानित स्थान की हकदार है उसे वहाँ प्रतिष्ठित करने में अपनी पूरी निष्ठा से प्रयत्नशील रहेंगे । हिंदी को अनुवाद की भाषा नहीं वरन मूल चिंतन, लेखन और प्रकटीकरण की भाषा बनाने में आप सभी का भरपूर सहयोग मिलेगा, ऐसा मेरा विश्वास है ।

जय हिंद, जय हिंदी ।

प्राची

(प्राची पाण्डेय)
आयुक्त

दिनांक : 14 सितंबर, 2025